[82] Seat No: _____ No. of printed page: 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (Hindi) (I - Semester) Examination
Wednesday, 24th October 2018
10.00 am - 1.00 pm
PA01CHIN22 : Hindi
नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ (निबंध एवं जीवनी)

कुल गुण : ७०

प्र.१ **किन्हीं दो** पर ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (१८)

(अ) "पराधीनता से बढ़कर विडंबना और क्या है? अब समझ गये होंगे कि वह संधि नहीं, पराधीनता की स्वीकृति थी ।"

(ब) "मनोवेग वंचित सदाचार दम्भ या झूठी कवायद है। मनुष्य के अंतःकरण में सात्विकता की ज्योति जगानेवाली यही करूणा है ।"

(क) "मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है ।"

(ड) "नेतृत्व पर श्रद्धा थी, उसे नंगा किया जा रहा है जो नया नेतृत्व आया है, वह उतावली में अपने कपड़े खुद उतार रहा है ।"

प्र.२ आधुनिक हिन्दी नाटक की विकास-यात्रा समझाइए । (१७)

अथवा

प्र.२ 'चंद्रगुप्त' नाटक की कथ्यगत विशेषताएँ लिखिए । (१७)

प्र.३ 'कलम का सिपाही' जीवनी में व्यक्त प्रेमचंदजी के जीवन-संघर्ष को स्पष्ट कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.३ जीवनी साहित्य की विकास-यात्रा समझाइए । (१८)

प्र.४ रंगमंच की दृष्टि से 'चंद्रगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.४ 'कलम का सिपाही' जीवनी के आधार पर प्रेमचंद के स्कूली जीवन और साहित्यिक संघर्ष की चर्चा कीजिए । (१७)